2021

HINDI

[HONOURS]

Paper : VII

Full Marks : 100 Time : 4 Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

क) 'रति' किस रस का स्थायी भाव है ?

ख) 'साहित्यालोचन' के रचयिता का नाम लिखिए ।

ग) आचार्य विश्वनाथ ने रसों की संख्या कितनी मानी है ?

घ) रिचर्ड्स के अनुसार आलोचना का मुख्य तत्त्व क्या है ?

ङ) जुगुप्सा किस रस का स्थायी भाव है ?

च) अभिव्यंजनावाद के प्रवर्त्तक क्रोचे कहाँ के निवासी थे ?

छ) 'कला कला के लिए' सिद्धांत के प्रतिष्ठापक कौन हैं ?

ज) 'पेरिइत्सुस' के लेखक कौन हैं ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10=20

क) आई०ए० रिचर्ड्स और क्रोचे द्वारा रचित एक-एक रचना का नाम बताइए ।

ख) रस का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए ।

ग) दो शब्दालंकारों के नाम बताइए ।

घ) 'काव्यस्यआत्मा ध्वनि:' किसकी उक्ति है ? उनकी एक रचना का नाम लिखिए ।

ङ) क्षेमेन्द्र ने किस संप्रदाय का प्रवर्तन किया ? उनके द्वारा रचित किसी एक ग्रंथ का नाम बताइए ।

च) श्लेष अलंकार किसे कहते हैं ?

छ) अर्थालंकार का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

ज) भामह किस संप्रदाय के प्रवर्तक थे ? उनके द्वारा रचित किसी एक ग्रंथ का नाम लिखिए ।

झ) स्थायी भाव किसे कहते हैं ?

ञ) काव्य-प्रयोजन किसे कहते हैं ?

ट) 'समीक्षा के नये प्रतिमान' किस विधा की रचना है और इसके लेखक कौन हैं ?

ठ) अलंकार के किन्हीं दो भेदों के नाम बताइए ।

ड) 'रसमीमांसा' और 'मिथक और साहित्य' किसकी रचना है ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी लिखिए : 6×5=30

क) अनुकरण का सिद्धांत ।

ख) रस निष्पति का सिद्धांत ।

ग) छंद के प्रमुख प्रकार ।

घ) रीति संप्रदाय ।

ङ) संप्रेषण-सिद्धांत ।

च) प्लेटो का काव्य-संबंधी मान्यता ।

छ) साहित्य की अवधारणा ।

ज) अभिव्यंजनावाद ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $15 \times 3 = 45$

क) क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की मूल स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए।

ख) रस का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप पर विचार कीजिए।

ग) अलंकार संप्रदाय का परिचय देते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

घ) काव्य-प्रयोजन-संबंधी विभिन्न आचार्यों के मतों की समीक्षा कीजिए।

ङ) अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए उसकी शक्ति और सीमाओं का निरूपण कीजिए।